दस्तक अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

हर बच्चे तक पहुंचे स्वास्थ्य सेवाएं, अंतरविभागीय समन्वय बैठक में दिए सख्त निर्देश

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 20 जुलाई। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि दस्तक अभियान का शत-प्रतिशत प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएं।

बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में ओआरएस, जिंक, आवश्यक दवाइयों एवं अन्य चिकित्सा सामग्री का पर्याप्त भंडारण रखा जाए। साथ ही अभियान से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी नियमित फील्ड निरीक्षण कर प्रत्येक गतिविधि का समय पर सत्यापन करें।

उन्होंने बताया कि जिले में 14 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक दस्तक अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं। अभियान के दौरान डायरिया, कुपोषण, एनीमिया सहित अन्य गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा तथा गंभीर स्थिति वाले बच्चों को तत्काल उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया जाएगा। पात्र परिवारों को ओआरएस, जिंक की गोलियां, आयरन सिरप तथा निर्धारित आयु वर्ग के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक भी उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि अभियान केवल दवा वितरण तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक परिवार को स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, हाथ धोने की आदत तथा दस्त होने पर ओआरएस एवं जिंक के सही उपयोग के प्रति भी जागरूक किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान की नियमित समीक्षा होगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की विभागवार लंबित शिकायतों एवं समय-सीमा के प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनशिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे। इसके लिए सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने और नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, एडीएम दिनेश शुक्ला सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण के मामले में चार आरोपी दोषमुक्त

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 20 जुलाई। जिले के इंदार थाना क्षेत्र के ग्राम तरावली में वर्ष 2020 में दर्ज आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण (धारा 306 भादवि) के मामले में न्यायालय ने चारों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। माननीय सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश, शिवपुरी ने प्रकरण में प्रस्तुत साक्ष्यों एवं दोनों पक्षों के तर्कों पर विचार करने के बाद यह निर्णय सुनाया।

▸ सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश शिवपुरी ने साक्ष्यों के अभाव में सुनाया फैसला, वर्ष 2020 का मामला

प्रकरण के अनुसार, मृतक भरत ने आत्महत्या कर ली थी। आरोप था कि ग्राम तरावली निवासी कृष्णपाल, अमर सिंह, फूल सिंह एवं बाबू सिंह ने उसे साझा (शामलाती) भूमि पर खेती करने से रोका, खेत पर जबरन कब्जा किया, खेत में पानी छोड़कर नुकसान पहुंचाया तथा गाली-गलौज और मारपीट कर लगातार प्रताड़ित किया। आरोप यह भी था कि भूमि नहीं देने की बात कहकर उसे मानसिक रूप से परेशान किया गया, जिससे क्षुब्ध होकर उसने आत्महत्या कर ली।

मामले में पुलिस थाना इंदार ने चारों आरोपियों के विरुद्ध धारा 306 भारतीय दंड संहिता के तहत प्रकरण दर्ज कर चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियुक्त पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गजेंद्र सिंह यादव ने पैरवी करते हुए न्यायालय के समक्ष विस्तृत तर्क प्रस्तुत किए। उनके साथ अधिवक्ता अशफाक खान, अजय शाक्य एवं राजकुमार राठौर ने भी सहयोग किया। दोनों पक्षों की दलीलें एवं उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद माननीय सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश, शिवपुरी ने अभियोजन पक्ष द्वारा लगाए गए आरोप सिद्ध न पाए जाने पर कृष्णपाल, अमर सिंह, फूल सिंह एवं बाबू सिंह को धारा 306 भादवि के आरोप से दोषमुक्त कर दिया।

ब्लास्टिंग से दहला अटलपुर

मकानों में आई दरारें, कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 20 जुलाई। बदरवास तहसील अंतर्गत ग्राम अटलपुर में संचालित सिद्ध बाबा स्टोन क्रेशर पर रविवार को हुई ब्लास्टिंग के बाद ग्रामीणों के कई मकानों में दरारें आने और नुकसान होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि तेज धमाके और कंपन के कारण दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। घटना के बाद गांव में भय और आक्रोश का माहौल है।

इस मामले को लेकर सोमवार को बदरवास ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार बदरवास को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित परिवारों को राहत दिलाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि ब्लास्टिंग से क्षतिग्रस्त मकानों का तत्काल सर्वे कराया जाए तथा पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए।

कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि सिद्ध बाबा स्टोन क्रेशर की ब्लास्टिंग गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि जांच में ग्रामीणों की जान-माल को खतरा पाया जाता है, तो नियमानुसार स्टोन क्रेशर का संचालन बंद कराने सहित आवश्यक कार्रवाई की जाए। वहीं ग्रामीणों ने भी प्रशासन से दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, नुकसान का आकलन कर शीघ्र राहत राशि प्रदान करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। अब पूरे मामले में प्रशासन की कार्रवाई पर क्षेत्रवासियों की नजरें टिकी हुई हैं।

मासिक काव्य गोष्ठी में गूंजे गीत, ग़ज़ल और व्यंग्य

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 20 जुलाई। मध्यप्रदेश लेखक संघ की मासिक साहित्यिक गोष्ठी दुर्गा मठ के सिंहल सभागार में आयोजित हुई। कार्यक्रम में क्रांतिवीर मंगल पांडे और प्रख्यात गीतकार गोपालदास नीरज को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. महेंद्र अग्रवाल ने की, जबकि संचालन अखलाक खान ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. हरि प्रकाश जैन रहे, जिन्होंने अपनी ग़ज़लों और गीतों की प्रस्तुति से श्रोताओं की खूब सराहना बटोरी।

▸ क्रांतिवीर मंगल पांडे व गीतकार गोपालदास नीरज को किया स्मरण

कार्यक्रम का शुभारंभ कवि अजय जैन अविराम की वंदना से हुआ। इसके बाद भगवान सिंह यादव ने मंगल पांडे को समर्पित कविता प्रस्तुत की। निर्मल हरि, रामकृष्ण मौर्य, रफीक इशरत ग्वालियरी, डॉ. निसार अहमद और दिनेश बशिष्ठ ने ग़ज़लें सुनाईं। राजकुमार भारती, गोविंद अनुज, राकेश भरटनागर और राकेश मिश्रा ने गीत व काव्य प्रस्तुत कर सामाजिक और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया।

हास्य कवि राम पंडित ने सड़क अतिक्रमण पर व्यंग्य किया, जबकि कल्पना सिरौनिया, अजय जैन, बसंत श्रीवास्तव तथा अन्य रचनाकारों ने सामाजिक विसंगतियों, धार्मिक आस्था और समकालीन विषयों पर प्रभावशाली रचनाएं सुनाईं। अंत में सचिव राजकुमार भारती ने सभी साहित्यकारों एवं उपस्थित श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

सांदीपनि विद्यालय फतेहगढ में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के तहत भजन एवं गुरु वंदना'

नवभारत न्यूज

फतेहगढ़। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, फतेहगढ़ में 15 दिवसीय 'गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा' (15 जुलाई से 29 जुलाई) अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में 20 जुलाई 2026 (सोमवार) को पखवाड़े के पंचम दिवस के अवसर पर विद्यालय के प्रार्थना सभागार में भव्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम 'संस्कृत श्लोक गायन, भजन एवं गुरु वंदना' की प्रेरणादायक प्रस्तुतियों पर केंद्रित रहा। सांस्कृतिक एवं भक्तिमय प्रस्तुतियां में विद्यालय स्तर पर छात्र-छात्राओं द्वारा गुरु-शिष्य परंपरा तथा गुरु की महिमा पर आधारित कई मनमोहक संस्कृत श्लोक, भक्तिमय भजन एवं प्रेरणादायक गुरु वंदना प्रस्तुत की गई, जिससे संपूर्ण विद्यालय परिसर भक्तिमय एवं ज्ञानमयी वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र केदारनाथ धाम पर पुन : दर्शन शुरू होने की उम्मीद

गुना। गुना सहित आसपास के जिलों के श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र, बमोरी विधानसभा की महोदरा पंचायत स्थित अति प्राचीन केदारनाथ धाम के दर्शन पुनः शुरू होने की दिशा में एक सकारात्मक पहल हुई है। सुरक्षा कारणों से प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बीच मंदिर के जीर्णोद्धार और श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही की संभावनाओं को तलाशने के लिए भोपाल से आई विशेषज्ञों की टीम ने धाम का बारीकी से निरीक्षण किया। विगत माह स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं धाम से जुड़े प्रबुद्धजनों द्वारा मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु गठित समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया के विशेष अनुरोध पर मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल से विशेषज्ञों का दल सर्वेक्षण के लिए पहुंचा। सर्वेक्षण दल का नेतृत्व कर रहे मैनिट के सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. मृत्युंजय सिंह चौहान ने बताया कि दर्शन हेतु पूर्व में उपयोग किया जाने वाला पुराना मार्ग अब आवागमन के लिए बिल्कुल सुरक्षित नहीं रह गया है। इस स्थिति को देखते हुए या तो मार्ग में आवश्यक तकनीकी सुधार किए जाएंगे या फिर किसी अन्य सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए मैनिट की टीम एक और सूक्ष्म सर्वे के बाद विस्तृत कार्ययोजना तैयार करेगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि विशेषज्ञों की टीम से जल्द से जल्द विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का आग्रह किया गया है। डीपीआर तैयार होते ही वे प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर इस योजना को स्वीकृति दिलाएंगे, ताकि जल्द से जल्द श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक दर्शन व्यवस्था बहाल की जा सके। निरीक्षण के दौरान डॉ. ज्योति स्वरूप, डॉ. हस्ती, डॉ. बदीना, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव, वन परिक्षेत्र अधिकारी सचिन गुप्ता, सरपंच मनीषा बारेला, मोहन बारेला, भीम सिंह बारेला, ब्रिज रघुवंशी एवं तूफान बारेला सहित कई स्थानीय नागरिक और अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम बड़ागांव के ग्रामवासियों ने चंदा से डलवाई सड़क

कुंभराज 20 जुलाई। गाँव के लोगो ने निकलने के लिए अपने घर से चंदा उगाकर कर बनाई मुरम की सड़क इरादे मजबूत हो और काम करने का जज्बा हो तो कोई भी काम असंभव नहीं है। चाचौड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़ागांव के ग्राम वासियों ने यह बात सिद्ध करके दिखलाई ग्राम बड़ागांव के ग्राम वासियों के निकलने का रास्ता बहुत ही खराब पड़ा था।

जिसमें आने-जाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था उस रास्ते से गांव की गाय ,भैंस जानवरों को चराने जाते हैं किसानों का भी आने जाने का यह रास्ता है जिसमें गांव वालों को निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ता था सभी गांव वालों ने विचार बनाया कि यहां से निकलने वाले सभी ग्रामवासि चंदा इकट्ठा करके मुरम की सड़क बनाई जाए जिससे आने-जाने में परेशानी का सामना न करना पड़े सभी गांव वाले इकट्ठा हुए चंदा इकट्ठा करके खुरई बाले रोड से पठार तक मुरम डाल के 1 कि .मी. सड़क बना दी गई सभी गांव वालों की एकता को देखते हुए आसपास के गांव वालों ने गांव की एकता की प्रशंसा की है।

गेल में कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला संपन्न

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय गुना की मनकक्ष टीम द्वारा गेल इंडिया लिमिटेड, विजयपुर में कर्मचारियों के लिए 'कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन' विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.एस. भाटी ने कार्यस्थल पर बढ़ते तनाव के कारण, उसके दुष्प्रभाव एवं तनाव से बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, योग, ध्यान, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच तथा परिवार एवं सहकर्मियों से बेहतर संवाद तनाव को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मानसिक रोगों के शुरुआती लक्षणों जैसे लगातार उदासी, अत्यधिक चिंता, चिड़चिड़ापन, नींद में बदलाव, काम में रुचि कम होना, एकाग्रता में कमी तथा व्यवहार में असामान्य परिवर्तन की समय पर पहचान कर विशेषज्ञ से परामर्श लेने की सलाह दी। मनोरोग नर्सिंग ऑफिसर रवि सिंह यादव ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की जानकारी देते हुए टेली-मानस टोल फ्री हेल्पलाइन 14416 के बारे में बताया। मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की स्थिति में कोई भी व्यक्ति टेली-मानस हेल्पलाइन पर निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकता है तथा मनहित ऐप से भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को मिले जीवन की नई उम्मीद, शिविर की तैयारियां चेकलिस्ट के अनुसार हों

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा गुना द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए 05 अगस्?त की शाम से 6 अगस्त 2026 तक जिला चिकित्सालय स्थित रेडक्रॉस भवन में विशेष निशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में मेदांता फाउंडेशन, गुरुग्राम (दिल्ली) से आने वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बच्चों का परीक्षण कर बोन मैरो ट्रांसप्लांट की संभावनाओं का आकलन किया जाएगा। कलेक्टर श्री कन्याल ने शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह शिविर केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि जिले के अधिक से अधिक पात्र थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को इसका लाभ मिले। उन्होंने कहा कि शिविर की सभी तैयारियां निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार समय पर पूर्ण की जाएं तथा प्रत्येक संभावित हितग्राही की पूर्व स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने शिविर स्थल पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों (वॉलेंटियर्स) की तैनाती करने तथा आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए। बैठक में विशेषज्ञों द्वारा जानकारी देते हुए बताया शिविर में केवल 12 वर्ष से कम आयु के थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की जांच की जाएगी। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बच्चों की चिकित्सकीय जांच एवं परामर्श के बाद यह निर्धारित किया जाएगा कि संबंधित बच्चा बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए उपयुक्त है या नहीं। चयनित बच्चों के उपचार की आगे की प्रक्रिया मेदांता फाउंडेशन, गुरुग्राम के माध्यम से निशुल्क कराई जाएगी। सामान्यतः इस उपचार पर 20 से 25 लाख रुपये तक का व्यय आता है। शिविर के सफल संचालन के लिए बाहर से आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई है। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले परिवारों के लिए 5 अगस्त की शाम से मानस भवन में निशुल्क आवास एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मुख्य जांच एवं परामर्श का कार्य 6 अगस्त को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजकों ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चे के उपचार से संबंधित सभी पुराने चिकित्सकीय अभिलेख, जांच रिपोर्ट, ब्लड ग्रुप रिपोर्ट, ब्लड ट्रांसफ्यूजन रिपोर्ट, एचपीएलसी रिपोर्ट, आयुष्मान कार्ड, बीपीएल अथवा मजदूर कार्ड, आय प्रमाण पत्र तथा बच्चे के पहचान संबंधी दस्तावेज साथ लेकर आएं। साथ ही पीड़ित बच्चे के माता-पिता एवं दो सगे भाई-बहनों की उपस्थिति भी जांच प्रक्रिया के लिए आवश्यक रहेगी। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना तथा ऐसे बच्चों की पहचान करना है जिन्हें बोन मैरो ट्रांसप्लांट के माध्यम से स्थायी उपचार का लाभ मिल सकता है।

बैठक ▸ सीमांकन, ओवरलोड बसों पर कार्रवाई और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर कन्याल के सख्त निर्देश

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में सभी विभागों को लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से सीमांकन प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निपटारा करने, ओवरलोड बसों के विरुद्ध सघन अभियान चलाने तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

ओवरलोड बसों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

कलेक्टर ने परिवहन, पुलिस और संबंधित विभागों को संयुक्त रूप से ओवरलोड बसों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। डीजे जब्ती की कार्रवाई के दौरान आवश्यकतानुसार मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भी प्रकरण दर्ज करने तथा अभियान को लगातार जारी रखने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्डियक एंबुलेंस का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने, गोशालाओं के निरीक्षण की रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करने तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जारी सभी आदेशों एवं निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन करे।

लंबित प्रकरणों का समय पर करें निराकरण

बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय-सीमा के प्रकरणों, जनशिकायतों एवं अन्य लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करें। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे और प्रत्येक विभाग अपने कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए बेहतर परिणाम सुनिश्चित करे।

प्राकृतिक खेती और उद्यानिकी को मिलेगा बढ़ावा

बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कृषि उपसंचालक को प्राकृतिक खेती का रकबा बढ़ाने, अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ने तथा प्रशिक्षण एवं जागरूकता गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग को गुलाब, अमरूद एवं विभिन्न सब्जियों के मॉडल विकसित कर किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण तैयार करने तथा उत्पादन और आय बढ़ाने के प्रयास तेज करने को कहा।

नवनियुक्त आंगनबाडी कार्यकर्ताओं का दिया गया इनडेक्शन प्रशिक्षण

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में नवनियुक्त आंगनबाडी कार्यकर्ताओं का 08 दिवसीय इनडेक्शन प्रशिक्षण (पाठ्यक्रम) का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण में जिले की सभी परियोजना अंतर्गत प्रथम चरण में नवनियुक्त आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को (एकीकृत बाल विकास सेवा) के तहत उनके कार्यक्षेत्र, जिम्मेदारियों एवं केन्द्र संचालन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रीति मौर्य पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी नवनियुक्त कार्यकर्ताओं को शुभकामना देते हुये इनडेक्शन प्रशिक्षण के उद्देश्य के बारे में अवगत कराते हुये बताया कि, यह प्रारंभिक प्रशिक्षण एक मूलभूत क्षमता कार्यक्रम है जो कार्यकर्ताओं को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा, मातृ स्वास्थ्य, पोषण निगरानी और सामुदायिक सहभागिता में आवश्यक कौशल प्रदान करता है, ताकि वे जमीनी स्तर पर एकीकृत बाल विकास सेवाएं प्रभावी ढंग से प्रदान कर सकें।

प्रशिक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश कुमार चंदेल द्वारा नवनियुक्त आंगनबाडी को गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर की निगरानी रखना, टीकाकरण, और कुपोषण की पहचान करने एवं आंगनवाड़ी सेवाओं के लिए सटीक, वास्तविक समय का डेटा प्राप्त करने के लिए पोषण ट्रैकर ऐप और स्मार्ट उपकरणों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

ऋषभ रधुवंशी जिला समंवयक रॉकेट लर्निंग द्वारा प्रतिभागीयों को पोषण भी पढाई भी कार्यक्रम के तहत बच्चों को खेल-खेल में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने हेतु अवगत कराया गया। उक्त प्रशिक्षण में महिला एवं बाल विकास विभाग पर्यवेक्षक सीमा अहिरवार, सुरभी कुशवाह, प्रीति मोर्य, रचना शर्मा, सहित समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।